प्रतिभागी समूह

राज्यों या संघ शासित प्रदेशों के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति, आदिवासी छात्रों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के प्रदर्शन बहुउद्देशीय स्कूलों के निम्न आयु वर्ग (01-04-2025 तक) के छात्र इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

(i) 10-14 वर्ष (मिडिल स्तर)

(ii) 14-16 वर्ष (सेकेंडरी स्तर)

विद्यालयों और अधिकारियों से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि विशेष आवश्यकता वाले छात्र, योग ओलंपियाड में सक्रिय भागीदारी करें।

योग ओलंपियाड के आयोजन के स्तर

मिडिल स्तर से चार विजेता लड़कियाँ और चार विजेता लड़के तथा सेकेंडरी स्तर से चार विजेता लड़कियाँ और चार विजेता लड़के अगले स्तर पर भाग लेंगे।

खंड स्तर— यह योग ओलंपियाड का पहला स्तर है जहाँ से ऊपर बताए गए स्कूल अपनी प्रविष्टियाँ भेज सकते हैं। हालाँकि, भाग लेने वाले स्कूलों की संख्या और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर आयोजक सीधे जिला स्तर पर योग ओलंपियाड आयोजित करने का निर्णय ले सकते हैं।

जिला स्तर— यह योग ओलंपियाड का दूसरा स्तर है जहाँ ब्लॉक स्तर से विजेता टीमें भाग लेंगी।

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश/इकाई स्तर— यह योग ओलंपियाड का तीसरा स्तर है जहाँ जिला या क्षेत्र या क्षेत्र स्तर से विजेता टीमें भाग लेंगी।

राष्ट्रीय स्तर— यह योग ओलंपियाड का अंतिम स्तर है। इस स्तर पर प्रत्येक राज्य व केंद्र शासित प्रदेश, के.वी.एस., एन.वी.एस., एन.ई.एस.टी.एस., सी.बी.एस.ई., सी.आई.एस.सी.ई., वी.बी.ए.बी.एस.एस. और डी.एम.एस.-आर.आई.ई. से कुल 16 छात्र (मध्य चरण से चार लड़के और चार लड़कियाँ और माध्यमिक चरण से चार लड़के और चार लड़कियाँ) एक इकाई के रूप में अपना प्रदर्शन दिखाएंगे।

कार्यक्रम

उद्घाटन

15 जून, 2025 प्रातः 11:15 बजे

योगिक प्रदर्शन

15-17 जून, 2025

समापन एवं पुरस्कार वितरण

18 जून, 2025 प्रातः 10:00 बजे

कार्यक्रम का स्थान

सभागृहम्, विवेकानन्द केंद्र, कन्याकुमारी, तमिलनाडु

मुख्य संरक्षक

आचार्य दिनेश प्रसाद सकलानी, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.

संरक्षक

प्रो. प्रकाश चंद्र अग्रवाल, संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.;
श्री अमन शर्मा, सचिव, रा.शै.अ.प्र.प., संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं.;
डॉ. प्रत्यूसा कुमार मंडल, डीन (अकॉदमिक) & विभागाध्यक्ष सा.वि.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प.;
प्रो. श्रीधर श्रीवास्तव, डीन (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प.;
डॉ. दिनेश कुमार, डीन (अनुसंधान), रा.शै.अ.प्र.प.;
एवं
श्री भानुदास ढाकरा जी, महासचिव
विवेकानन्द केंद्र, कन्याकुमारी

संपर्क

स्वागत पटल— +91-465-2246250
नियंत्रण कक्ष— 9677266859 / 9991352345
पंजीकरण— 9957931681/9868231766
आवास— +91 6382401009
भोजन एवं जलपान— 8667823073

श्री. सुनील श्रीरामुलु जी कैंपस प्रभारी, वी.के.के	**8310933114**
डॉ. मुकेश कुमार वर्मा कार्यक्रम समन्वयक, एन.वाई.ओ., सह-आचार्य, शारीरिक शिक्षा, सा.वि.शि.वि.	**9452018827**
डॉ. हरीश कुमार मीना सह-आचार्य, रा.ज.शि.का., सा.वि.शि.वि.	**9212439214**
डॉ. अतुल दुबे सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा, सा.वि.शि.वि.	**8112253346**

राष्ट्रीय योग ओलंपियाड

विषय— एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग

15–18 जून, 2025

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग

यत्रोपरमते चित्तं निरुद्धं योगसेवया |
यत्र चैवात्मनात्मानं पश्यन्नात्मनि तुष्यति ||

—भगवद्गीता

उद्घाटन एवं समापन समारोह | सेकेंडरी छात्र | सेकेंडरी छात्राएँ | मिडिल छात्र | मिडिल छात्राएँ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) 1961 में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्कूलों में शिक्षा के लिए नीतियों और कार्यक्रमों पर केंद्र और राज्य सरकारों की सहायता और सलाह देने के लिए स्थापित एक स्वायत्त संगठन है।

रा.शै.अ.प्र.प.के प्रमुख उद्देश्य हैं—

- विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्रों में शोध करना, बढ़ावा देना, प्रकाशित करना और समन्वय करना;
- आदर्श पाठ्यपुस्तकें, शिक्षकों की पुस्तिकाएँ, मैनुअल, प्रशिक्षण पैकेज, पूरक पाठ्य सामग्री, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ आदि तैयार करना और प्रकाशित करना;
- शैक्षिक किट, मल्टीमीडिया डिजिटल पाठ्य सामग्री आदि विकसित करना;
- शिक्षकों, शिक्षक-शिक्षकों, स्कूल शिक्षा प्रशासकों आदि की सेवा-पूर्व और सेवाकालीन शिक्षा तथा प्रशिक्षण का आयोजन करना;
- राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, गैर-सरकारी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग और नेटवर्क बनाना।

राष्ट्रीय योग ओलंपियाड

एन.सी.ई.आर.टी. ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर स्कूलों में योग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय योग ओलंपियाड के वार्षिक उत्सव की शुरुआत की है। यह उत्सव वर्ष 2016 में 21 जून को दुनिया भर में 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के पालन के रूप में शुरू किया गया था। तब से इसके उत्सव में कोई कमी नहीं आई है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के समय में भी एन.सी.ई.आर.टी. ने वर्ष 2020 और 2021 में 'राष्ट्रीय ऑनलाइन योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन किया। इस वर्ष, एन.सी.ई.आर.टी. तमिलनाडु के कन्याकुमारी के विवेकानंद पुरम में विवेकानंद केंद्र में 'राष्ट्रीय योग ओलंपियाड' का आयोजन कर रहा है। पिछले वर्षों की तरह यह हमारी युवा पीढ़ी को न केवल योग के बारे में जागरूकता विकसित करने के लिए प्रेरित करने में मदद करेगा बल्कि उनमें जीवन में योगिक प्रथाओं को अपनाने के लिए एक गतिशील उत्साह भी पैदा करेगा, जो उनके बीच शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उन मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देगा जिन्होंने हजारों वर्षों से भारतीय सभ्यता को बनाए रखा है। यह पता लगाने के लिए कि 'राष्ट्रीय योग ओलंपियाड' ने ऐसे कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करने में कैसे मदद की है, सा.शि.वि.वि. द्वारा एक शोध अध्ययन भी गंभीरता से किया जा रहा है। चार दिवसीय उत्सव के दौरान आसन, प्राणायाम, क्रिया (सफाई प्रक्रिया), ध्यान (ध्यान) और बंध (केवल माध्यमिक स्तर के लिए), जैसे— विभिन्न योग अभ्यासों का मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही, बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए योग से संबंधित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ, जैसे— ड्राइंग या पेंटिंग, निबंध लेखन (हिंदी या अंग्रेजी में), कविता रचना (हिंदी या अंग्रेजी में), नारा लेखन और पोस्टर मेकिंग भी आयोजित की जाएंगी।

राष्ट्रीय योग ओलंपियाड एक यात्रा (2016-2024)

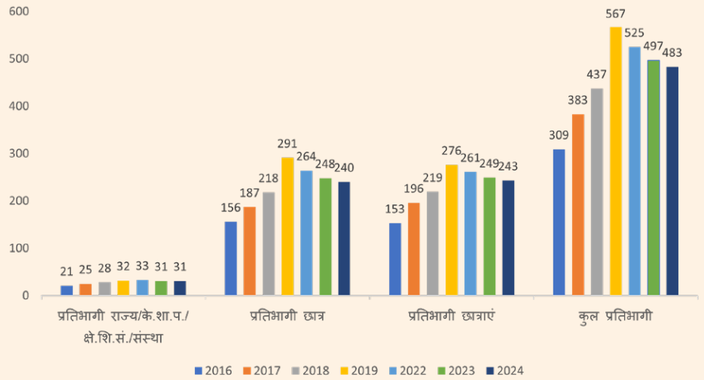

विद्यालयों के लिए योग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.), 2020 और आधारभूत शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ-एफ.ई.), 2022 और स्कूली शिक्षा (एन.सी.एफ-एस.ई.), 2023 में उल्लिखित हमारे देश की समग्र शैक्षिक दृष्टि में योग एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एन.ई.पी., 2020 योग को शिक्षार्थियों के बीच आत्म-अनुशासन, दिमागीपन और स्वस्थ जीवन-शैली को बढ़ावा देने में एक महत्त्वपूर्ण घटक के रूप में मान्यता देता है। इस मान्यता के अनुरूप एन.सी.एफ-एस.ई., 2023 योग को 'शारीरिक शिक्षा और कल्याण' का एक अभिन्न अंग बनाता है, इसे एक महत्त्वपूर्ण जीवन-कौशल के रूप में बढ़ावा देता है, जो लचीलापन, भावनात्मक संतुलन और समग्र कल्याण को बढ़ाता है। इस दृष्टि को मजबूत करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. 'राष्ट्रीय योग ओलंपियाड' की पहल के माध्यम से योग को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है और सभी कक्षाओं में 'शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य' की पाठ्यपुस्तकें। कक्षा 3 और 4 के लिए 'खेल योग' शीर्षक वाली पाठ्यपुस्तकें पहले ही प्रकाशित हो चुकी हैं। इसी शीर्षक वाली कक्षा 5 की पाठ्यपुस्तक जल्द ही जारी होने वाली है। इसी तरह, कक्षा 6 और 7 के लिए 'खेल यात्रा' शीर्षक वाली पाठ्यपुस्तकें पहले ही प्रकाशित हो चुकी हैं और कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक का विकास किया जा रहा है। ये पाठ्यपुस्तकें संबंधित एन.सी.एफ. द्वारा उल्लिखित 'पाठ्यचर्या लक्ष्यों' और 'सीखने के परिणामों' के अनुरूप संरचित तरीके से आयु-उपर्युक्त योग पाठ प्रदान करती हैं, इस प्रकार 'शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य' को सभी चरणों में स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम अध्ययन के अनिवार्य क्षेत्र के रूप में मजबूती से स्थापित करती हैं।